भजन

तर्ज–सौ बार जन्म लेगें

बड़ी देर भई है पिया,जीया और नही जाता
बता दो मेरे प्राण पिया,कब खेल खत्म होगा

1– जब दिल में लिया था धनी,माया ये दिखलाई
माना बड़ी सुंदर है,पर रास नही आई
यहां छल बल झूठ कपट ,मुझसे न सहन होगा

2– मैं हार गई हूं पिया,माया में ना रह सकती
खेल और दिखाना है, दे दो अपनी शक्ति
शैतान रूपी मनवा, कैसे ना भसम होगा

3– माया के रंग काले, कैसे खेलूं होली
उन अर्श के रंगों से,भर दो मेरी झोली
फैलेगें अर्श के रंग ,सब साथ मिलन होगा